भारतीय वानिकी
अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 10 अंक 7
जुलाई 2018

वानिकी समाचार

अनुक्रमणिका

पृ.सं.	शीर्षक
01	महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष
02	प्रदर्शन कार्यक्रम
03	प्रकाशन
03	गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा
03	कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें
04	प्रशिक्षण कार्यक्रम
05	विविध
06	राष्ट्रपति भवन में वन महोत्सव
06	आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना
07	सूचना प्रौद्योगिकी पहल
07	मानव संसाधन

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष :

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून :

- गन्ने की खोई से मानक विधि का प्रयोग कर अल्फा कोशाधु को निष्कर्षित किया गया तत्पश्चात धनायनों के साथ उपचारित किया गया। धनायनों के साथ उपचार दो चरणों में किया गया :
  1. निष्कर्षित अल्फा कोशाधु का क्षारीयन।
  2. धनआयनीक कारक को जोड़ा गया।

  प्रतिस्थापन की मात्रा (डी.एस.) अब तक 0.07 प्राप्त हुई तथा डी.एस. में और अधिक वृद्धि हेतु प्रयोग जारी हैं।
- फतेहपुर पेलियो (सहारनपुर) तथा धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) के दो प्रयोग स्थलों में *मेलिना आर्बोरिया* तथा *ऐम्बलिका ऑफिसिनेलिस* रोपित किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश की निम्नीकृत भूमियों में *मेलिना आर्बोरिया* तथा *ऐम्बलिका ऑफिसिनेलिस* आधारित कृषि वानिकी मॉडल'' के अंतर्गत दोनों प्रयोग स्थलों में *जी. आर्बोरिया* तथा *ऐम्बलिका ऑफिसिनेलिस* के प्रारंभिक आंकड़े दर्ज किए गए तथा दोनों स्थलों के मृदा नमूने एकत्रित किए गए।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) में दो प्रयोग स्थलों में कचनार, भीमल तथा कदंब रोपित किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड में वर्षा आधारित परिस्थितियों में कचनार *(बौहीनिया वेरिगाटा)*, भीमल *(ग्रीविआ ऑपटिवा)* तथा कदंब *(एथोंसिफेलस कदंबा)* आधारित कृषि वानिकी मॉडलों का कृषकों की भूमि पर विकास'' के अंतर्गत कृषकों की भूमि पर मेड़ पर रोपित करने हेतु कचनार, भीमल तथा कदंब वितरित किए गए।
- ''*बेर्बरिस एरिसटाटा*, एन.एम.पी.बी. परियोजना'' के अंतर्गत जांच कवक के विरूद्ध *बेर्बरिस एरिसटाटा* जड़ निष्कर्ष के बी–3 खंड की पात्रे कवकरोधी कार्यवाही प्रक्रिया में है।
- कलेशर (हरियाणा), हरिद्वार, कालसी, ऋषिकेश, चकराता (हरियाणा), हरिद्वार, कालसी, ऋषिकेश, चकराता (उत्तराखंड), सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) में एक सर्वेक्षण किया गया। टेटीगोनाइडों के अर्भक क्षेत्र में देखे गए। जिनमें से कुछ को एकत्रित कर पालन किया गया। परियोजना ''भारत की टेटीगोनाइडी (आर्थोप्टेरा) का वर्गिकी अध्ययन (ए आई सी ओ पी टी ए एक्स), (प.व.ज.प. मत्रा.)'' के अंतर्गत गन्ने के खेतों में *कोनोसेफेलस मक्यूलेट्स* (एनिसोप्टेरा) के वयस्क सुलभ थे।
- सइयां, उत्तर प्रदेश से करकट सिंगी के पादप तथा बीज नमूने एकत्रित किए गए। पादपों को गमलों में रोपित किया गया। परियोजना ''स्व–स्थाने पर्ण अर्बुद उत्पादन की सिसिडोलॉजी एवं पौधशाला स्थापना हेतु संभावनाओं का अन्वेषण'' के अंतर्गत किसी नाशी–कीट के उद्‌गम हेतु बीजों को पिजरों में रखा गया।
- हरियाणा के विभिन्न जिलों (महेन्द्रगढ़, रेवाड़ी, चरखी दादरी, झज्जर तथा पंचकूला) के विभिन्न इलाकों में एक दौरा आयोजित किया गया। *एपेनटेलस* प्रजा. की जांच हेतु 47 कीट नमूने एकत्रित किए गए। वानिकी वृक्षों *पोन्गैमिया पिन्नाटा, डैल्बर्जिया नीलोटिका, फाइकस रेलिजिओसा, कैजुरिना* प्रजा. *यूकेलिप्टस* प्रजा., *एलसटोनिआ स्कोलेरिस* से 13 कीटडिंभ नमूने एकत्रित किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड तथा हरियाणा से *एपेनटेलस* प्रजाति (हाइमेनोप्टेरा : ब्राकोनिडी) के कीटडिंभ परजीवियों की

मेजबान रेंज पर वर्गिकी अध्ययन'' के अंतर्गत *एपेनटेलस* प्रजा. का स्लाइड निर्माण तथा प्रजाति चिन्हीकरण प्रगति में है।

- हरियाणा के 5 जिलों (झज्जर, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, चरखी दादरी और पंचकूला) से वानिकी वृक्षों *पोन्गैमिया पिन्नाटा, डैल्बर्जिया सिस्सू, होलोप्टेलिया* प्रजा., *ऐकेशिया नीलोटिका, फाइकस रेलिजिओसा, कैजुरिना* प्रजा., *यूकेलिप्टस* प्रजा., *बौहीनिया वैरीगेटा, एल्लसटोनिआ स्कोलेरिस* तथा *कैसिया फिस्टुला* से 14 अंड नमूने एकत्रित किए गए। परियोजना ''उत्तर भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड) से हाइमेनोपट्रेन अंड परजीवियों की मेजबान रेंज तथा विविधता पर अध्ययन''के अंतर्गत ऐकेशिया वृक्ष पर *आक्सीरेचिस टेरेंडस* के अंडो से उन्मज्जनित परजीवी *यूफेन्स जइपुरेन्सिस* (ट्राइकोग्रामेटिड) का विस्तृत रूपिमविज्ञान अध्ययन किया गया।

- *क्लोरोफोरस एनयुलेरिस* का जीव विज्ञान तथा पालन जारी है। संक्रमित बांस प्रजातियों को क्षेत्र से एकत्रित किया गया, परीक्षित किया गया तथा जिंक, काष्ठ, चिमनी एवं बाहरी पिंजरों में रखा गया। परियोजना ''*क्लोरोफोरस एनयुलेरिस* फैब. (कोलियोप्टेरा : सिरामबाइसिडी)–कटे व सूखे बांस का एक मुख्य क्षेदक का महामारी विज्ञान एवं प्रबंधन'' के अंतर्गत व.अ.सं. की कीटशाला में छेदक के प्रबंधन हेतु प्रणालीगत एवं संपर्क कीटनाशकों के उपयोग से नियंत्रण प्रयोग किए गए।

- उत्तराखंड के कुमाऊ क्षेत्र के 7 वन उप–प्रकारों : तराई के आर्द्र साल वन, ऊपरी हिमालय चीड़ पाइन वन, हिमालय उप–उष्णकटिबंधीय वन, निम्न शिवालिक चीड़ पाइन वन, बन ओक वन, मोरू ओक वन, आर्द्र देवदार वन के अंतर्गत तितलियों एवं वनस्पतियों के नमूनों हेतु रामनगर, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, चंपावत तथा हल्द्वानी वन प्रभाग में 15 ट्रांजेक्टों में एक 10 दिवसीय सर्वेक्षण किया गया। कीट एवं पादप सामग्री के एकत्रण के अतिरिक्त उपर्युक्त क्षेत्र के वन उप–प्रकार मानचित्र (सम्मिश्र कृत्रिम रंग उपग्रह चित्रकारी) भी तैयार की गई। अभिज्ञाप पादप प्रजातियों के हर्वेरियम भी तैयार किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड में विभिन्न वन प्रकारों/उप प्रकारों से संबद्ध तितलियां'' के अंतर्गत अब तक के वन उप–प्रकारों तथा तितलियों के लिए गए नमूनों पर आंकडा भंडार अद्यतनीकृत किया गया और 7 तितलियों की 7 नवीन प्रजातियों को सम्मिलित किया गया।

- मई 2018 के दौरान, ओक वन क्षेत्रों में तथा चकराता वन प्रभाग (जिला देहरादून) के चारों और बन, मोरू तथा खारसु ओक वनों में सर्वेक्षण किया गया। काष्ठ छेदक की 2 प्रजातियों, लेपीडोप्ट्रेरा की 4 प्रजातियों, पादप मत्कुण (बग) की 1 प्रजाति पर कीट तथा संक्रमित बोरर संक्रमित खारसु ओक के कुन्दों को छेदक के जीवन चक्र पर प्रयोग हेतु रखा गया। परियोजना ''पश्चिमी हिमायी ओक के नाशी–कीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत कोलियोप्टेरा की 5 प्रजातियों तथा लेपीडोप्टेरा की 3 प्रजातियों पर पश्चिमी हिमालयी ओक के आंकड़ा –भंडार को अद्यतनीकृत किया गया।

- भृंग की 727 प्रजातियों को डिजीटलीकृत किया गया तथा लभगभ 650 प्रजातियों के 1350 छायाचित्रों को संपादित एवं संग्रहीत किया गया। संपादित प्रजातियों हेतु आंकड़ा भंडार को अद्यतनीकृत किया गया। परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई.सी.) का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन, चरण –II (सूक्ष्म कीट)'' के अंतर्गत *मधुका लांगिफोलिआ* के पर्णों पर छिद्र अर्बुद करने वाली यूलोफिड प्रजातियों पर कार्य प्रगति पर है।

- पोपलर पौधशाला के रखरखाव का कार्य किया गया। परियोजना ''पोपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोसटेरा क्युप्रेटा* बट के विरूद्ध पोपलर कृन्तकों की सहनशीलता हेतु जांच'' के अंतर्गत उत्पादन क्षति का अवलोकन किया गया।

- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित *वैलेरियाना जटामांसी* की दो वन्य आबादियों को उनके प्रकदों में नियत सगंध तेल संघटन हेतु पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।

- अर्द्ध शुष्क परिस्थितियों में ग्वार गम का क्वाटरनाइजेशन किया गया तथा मूल्यांकन हेतु नमूनों को उद्योगों को जमा किया गया।

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर :

- तिरूपति के सेशाचलम वनों में *टेराकार्पस सैन्टेलिनस* की मूल आबादियों से पृथक एक बैक्टीरियल नस्ल को 16 एस. आर. आंशिक विश्लेषण द्वारा *राइजोबियम एगिपटिकम* के रूप में चिन्हित किया गया। इस नाइट्रोजन स्थिरक बैक्टीरिया के जीनोम अनुक्रम को एन.सी.बी.आई., संयुक्त राष्ट्र अमेरिका में अनुक्रम संख्या एम.एच. 665677 के माध्यम से जमा किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- लार्वा परजीव्याभों *थायसेनोप्लूसिआ ऑरिचेलसिआ* (फैब.) (लेपीडोप्टेरा : नॉक्टिडी) की दो प्रजातियां यथा *एपेनटेलस ग्लोमेराटस* तथा *एपेनटेलस रूफीकर्स* दर्ज की गई तथा परजीवीकरण का दर मई से जून तक 20–32.5 प्रतिशत दर्ज किया गया। यह इंगित करता है कि इन परजीव्याभों को इस नाशीकीट के हिमाचल प्रदेश की लाहुल घाटी में संभावित समशीतोष्ण औषधीय पादप, *सौऊसियूरिआ कोस्टस* में लगने वाले कीटों के जैविक नियंत्रण हेतु प्रबंधन में प्रयोग किया जा सकता है।

प्रदर्शन कार्यक्रम :

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 25 जुलाई 2018 को मूल्य वर्धन तथा बांस परिरक्षण तकनीकियों, जैव प्रौद्योगिकी एवं ऊतक संवर्धन, लाख कृषि एवं कृमिखाद पर प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किए।

- 18 जुलाई 2018 को वानिकी अनुसंधान एवं विस्तार क्रियाकलापों यथा बांस उद्यान, पौधशाला, औषधीय पादपों, मैंग्रोव क्षेत्रों के साथ–साथ मृदा प्रयोगशाला एवं व.उ.सं., रांची की आण्विक जीवविज्ञान प्रयोगशाला पर व्याख्यान।

प्रकाशनः

- काष्ठ प्रस्संस्करण प्रौद्योगिकियां : अनुसंधान–उद्योग अंतराफलक पर व.अ.सं., देहरादून में 18 जुलाई 2018 को आयोजित एकदिवसीय सेमिनार में ''ए ग्लिम्पस इनटू सम ऑफ द रिसेंट टेक्नोलॉजिस'' नामक पुस्तिका विमोचित की गई।
- व.अ.सं., देहरादून के तकनीकी सहयोग से राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा ''राष्ट्रपति भवन में बांस पौधशाला'' पर ब्रॉशर प्रकाशित किया । ब्रॉशर राष्ट्रपति भवन के बागों में रोपित 23 बांस प्रजातियों के साथ उनके वानस्पतिक एवं स्वदेशी नामों, वितरण तथा प्रयोगों के बारे में सूचना दी गई है।

गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा :

- श्री कामख्या प्रसाद तसा, माननीय सांसद, जोरहाट (असम) ने 2 जुलाई 2018 को व.व.अ.सं., जोरहाट असम का दौरा किया ।
- श्री कृष्णनंदन दास, बमुतिआ निर्वाचन क्षेत्र (त्रिपुरा) के माननीय विधायक ने 27 जुलाई 2018 को आ.वि. – व.अ.के., अगरतला का दौरा किया।

श्री कृष्णनंदन दास, माननीय विधायक ने आ.वि–व.अ.के. का दौरा किया।

कार्यशाला / संगोष्ठी / बैठकें :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्,देहरादून		
1.	समीक्षा बैठक	2,13,30 जुलाई 2018	भा.वा.अ.शि.प. कार्मिक
2.	पारितंत्र सेवाएं सुधार परियोजना (ई.एस.आई.पी.)	12 जुलाई 2018	–
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
3.	काष्ठ प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां : अनुसंधान–उद्योग अंतराफलक	18 जुलाई 2018	विभिन्न उद्योगों से 80 प्रतिभागी

काष्ठ प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियां : अनुसंधान –उद्योग अंतराफलक के प्रतिभागी

	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
4.	खरपतवार विविधता एवं जलवायु परिवर्तन : आक्रामकता एवं प्रबंधन	5 जुलाई 2018	–

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर			
5.	वन वृक्षों पर अर्बुद अभिप्रेरक आर्थोपोड	17 जुलाई 2018	देश के विभिन्न भागों से 45 प्रतिनिधि
6.	वृक्ष प्रजनन द्वारा उत्पादकता वृद्धि : वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की चुनौतियां	26 जुलाई 2018	उद्योग, अनुसंधान संस्थान, विश्वविद्यालय, कृषक एवं पौधशाला उत्पादकों के हितधारक

व.आ.वृ.प्र.सं. में वृक्षों पर अर्बुद अभिप्रेरक आर्थोपोड पर कार्यशाला

व.आ.वृ.प्र.सं. में वृक्ष प्रजनन द्वारा उत्पादकता वृद्धि : वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की चुनौतियों पर संगोष्ठी

आजीविका विस्तार हेतु वन अनुसंधान केन्द्र (आ.वि.–व.अ.के.), अगरतला			
7.	त्रिपुरा में पारंपरिक आरोग्यकों हेतु स्वैच्छिक प्रमाणिकता प्रक्रिया में अवसर एवं चुनौतियां	17 जुलाई 2018	–

प्रशिक्षण कार्यक्रम :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर			
1.	कोयम्बटूर, तमिलनाडु के सीमांत वन ग्रामों में इरूलर जनजातियों के लिए ट्री रिच बायोबूस्टर के विकास पर क्षमता निर्माण	13 जुलाई 2018	सेनाकुट्टई, एनीकट्टी से 17 डब्ल्यू.एस.एच.जी. सदस्य
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
2.	अकाष्ठ वनोपज एवं औषधीय पादपों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 जुलाई – 8 अगस्त 2018	हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत 20 चयनित अकुशल व्यक्ति / छात्र

वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

3.	अगरकाष्ठ का कृत्रिम अभिप्रेरण	6 जुलाई 2018	अम्पति, दक्षिण गारो पहाडियों से 20 कृषक

अम्पति, दक्षिण गारो पहाड़, मेघालय में अगरकाष्ठ के कृत्रिम अभिप्रेरण पर प्रशिक्षण

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

4.	वैज्ञानिक विधि द्वारा चिलगोजा के शंकुओ का तुड़ान	6 और 7 जुलाई 2018	ग्राम– लिप्पा एवं झुंगी, किन्नौर (हि.प्र.) के पंचायत प्रधान, सदस्य एवं ग्रामीण

वन उत्पादकता संस्थान, रांची

5.	वन प्रबंधन हेतु क्षमता विकास तथा कार्मिकों का प्रशिक्षण	23 जुलाई से 3 अगस्त 2018	भा.वा.अ.शि.प. संस्थान के कार्मिक

विविध :

संस्थान	विशेष दिन / विषयवस्तु	समयावधि
व.व.अ.सं., जोरहाट	वन महोत्सव	02 जुलाई 2018
व.अ.सं., देहरादून		17 जुलाई 2018
हि.व.अ.सं., शिमला		20 जुलाई 2018
शु.व.अ.सं., जोधपुर		27 जुलाई 2018

व.अ.सं., देहरादून में वन महोत्सव का आयोजन

व.व.अ.सं., जोरहाट में वन महोत्सव का आयोजन

हि.व.अ.सं., शिमला में वन महोत्सव का आयोजन

राष्ट्रपति भवन में वन महोत्सव :

- वन महोत्सव के अवसर पर, भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद ने 16 जुलाई 2018 को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन बागों की पौधशाला में बांस के नवांकुर रोपित किए। इस अवसर पर व.अ.सं. की निदेशक डॉ. सविता भी उपस्थित थी। बांस पौधशाला को वन अनुसंधान संस्थान एवं राष्ट्रीय बांस मिशन, नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से विकसित किया गया।

वन महोत्सव के अवसर पर, भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद राष्ट्रपति भवन के बागों में एक बांस नवांकुर को रोपित कर प्रमुदित हुए।

आकाशवाणी / दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी को लोकप्रिय बनाना

कार्यक्रम का शीर्षक	चैनल	दिनांक
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
कृषि वानिकी क्यों महत्वपूर्ण है?	आकाशवाणी, देहरादून	01 जुलाई 2018
औषधीय एवं सगंध पादपों की कृषि	डी.डी. किसान चैनल, नई दिल्ली	24 जुलाई 2018
शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर		
पर्यावरण संतुलन में आम आदमी की भूमिका	आकाशवाणी, देहरादून	26 जुलाई 2018
वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
परमपोरागत कृषि बोननीकरानोर पोरा होबोपोरा स्वाबोलोमबिता	आकाशवाणी, जोरहाट केन्द्र, जोरहाट	27 जुलाई 2018
आजीविका विस्तार हेतु वन अनुसंधान केन्द्र (आ.वि.–व.अ.के.), अगरतला		
रोपण उत्सव की अवधारण तथा हर्षोल्लास के तरीके	टाइम्स 24 न्यूज चैनल	01 जुलाई 2018
कृषकों की आय दोगुनी करने के सहयोग में रोपण उत्सव का महत्व	समाचार चैनल हैडलाईन्स त्रिपुरा	04 जुलाई 2018

सूचना प्रौद्योगिकी पहल :

वै.जै.सं., हैदराबाद की वेबसाइट विकसित की गई तथा लाइव सर्वर पर कार्यान्वित की गई। वेबसाइट का यू.आर.एल. http://ifb.icfre.gov.in है।

मानव संसाधन समाचार :

पदोन्नति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री धीरेन्द्र कुमार, एस.ए.ओ., भा.वा.अ.शि.प.	03 जुलाई 2018
श्री बी.जे. कांथीमठी, अवर सचिव, का.वि.प्रो.सं., बेंगलुरू	24 जुलाई 2018

सेवानिवृत्ति :

अधिकारी का नाम	दिनांक
डॉ. एस.पी. चौकीयाल, वैज्ञानिक – 'ई', व.अ.सं., देहरादून	31 जुलाई 2018
डॉ. ओमबीर सिंह, वैज्ञानिक–'ई', व.अ.सं., देहरादून	31 जुलाई 2018
श्री वी.के. आहुजा, अनुभाग अधिकारी, व.अ.सं., देहरादून	31 जुलाई 2018
श्री डी.के. शर्मा, निजी सचिव, भा.वा.अ.शि.प.	31 जुलाई 2018
श्री राजकुमार पाठक, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, उ.व.अ.सं., जबलपुर	31 जुलाई 2018

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।

वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।

संरक्षकः
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडलः
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद सम्पादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)
पी.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006

नोटिस

''वानिकी में उत्कृष्टता हेतु भा.वा.अ.शि.प.पुरस्कारों'' हेतु आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15.10.2018 तक बढ़ गयी है। अन्य विवरणों हेतु कृपया भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की वेबसाइट (www.icfre.org) देखें।